अभ्यास पत्रक

पाठ – स्मृति

नाम :- ………… कक्षा :- ………… अवधि :- .... अनुक्रमांक :- .... प्राप्तांक :- ....

अपठित गद्यांश प्रश्न (1 अंक प्रत्येक)

डाकखाने की ओर भागते समय रास्ते में टोपी गिर गई और पत्र भी कुएँ में गिर गए। लेखक ने पत्रों को बचाने का निश्चय किया। कुएँ के पास जाकर देखा, पानी की सतह पर पत्र तैर रहे थे और साँप कुएँ की दीवार से चिपका हुआ था। छोटे भाई की मदद से लेखक ने धोती को फाड़कर रस्सी बनाई और डंडा बाँधकर धीरे-धीरे कुएँ में उतरने लगा। साँप से डर भी था लेकिन पत्रों को निकालना आवश्यक था। लेखक ने साहस करके पत्र निकाले और बाहर आ गया।

1. पत्र कहाँ गिर गए थे?

उत्तर - ……………………………………………………………………………………………

……………………………………………………………………………………………………

2. कुएँ में लेखक ने क्या देखा?

उत्तर - ……………………………………………………………………………………………

……………………………………………………………………………………………………

3. पत्रों को निकालने में लेखक की किसने मदद की?

उत्तर - ……………………………………………………………………………………………

……………………………………………………………………………………………………

अभिकथन-तर्क प्रश्न और बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक प्रत्येक) सही विकल्प पर चिन्ह लगायें

4. अभिकथन (A): लेखक ने पत्रों को कुएँ से निकालने के लिए साहस दिखाया।
   तर्क (R): लेखक जानता था कि कुएँ में साँप है फिर भी वह उतरा।
   (A) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं और तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।
   (B) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं, लेकिन तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता।
   (C) अभिकथन सही है, तर्क गलत है।
   (D) अभिकथन गलत है, तर्क सही है।
5. अभिकथन (A): लेखक ने भाई साहब को पत्रों के गिरने की बात बताई।
   तर्क (R): लेखक को डर नहीं लगा और उसने सच्चाई बता दी।
   (A) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं और तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।
   (B) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं, लेकिन तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता।
   (C) अभिकथन सही है, तर्क गलत है।
   (D) अभिकथन गलत है, तर्क सही है।
6. कुएँ में क्या डर था?
   (A) कुत्ता (B) साँप (C) बिच्छू (D) भूत
7. लेखक ने पत्र निकालने के लिए किसका उपयोग किया?
   (A) रस्सी (B) डंडा (C) धोती (D) सभी
8. पत्र गिरने के बाद लेखक कैसा अनुभव कर रहा था?
   (A) संतोषजनक (B) उत्साहित (C) चिंतित और डरपोक (D) बहादुर
9. लेखक की उम्र उस समय कितनी थी?
   (A) 7 वर्ष (B) 10 वर्ष (C) 12 वर्ष (D) 15 वर्ष
10. भाई साहब पत्र किस स्थान पर भेजना चाहते थे?
    (A) मक्खनपुर (B) आगरा (C) दिल्ली (D) मेरठ

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक प्रत्येक)

11. पत्र कुएँ में कैसे गिरे और लेखक ने उन्हें कैसे देखा?

उत्तर - ....

....

....

12. डर के बावजूद लेखक कुएँ में क्यों उतरा?

उत्तर - ....

....

....

13. लेखक ने साँप से कैसे निपटने की योजना बनाई थी?

उत्तर - ....

....

....

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)

14. 'स्मृति' पाठ में बाल मनोविज्ञान किस प्रकार उजागर होता है? लेखक की भावनाओं और सोच पर प्रकाश डालिए। (80-100 शब्दों में)

उत्तर - ....

....

....

....

....

....

....

....

....

निबंधात्मक प्रश्न (5 अंक)

15. 'डर पर विजय ही सच्ची बहादुरी है' – इस विषय पर 100–120 शब्दों में एक निबंध लिखिए।

उत्तर - ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

egyanarchive

<u>उत्तर कुंजी</u>

1. पत्र लेखक की टोपी के साथ कुएँ में गिर गए थे।
2. कुएँ में साँप और पत्र दोनों दिखाई दिए।
3. छोटे भाई ने रस्सी बनाकर सहायता की।
4. (A)
5. (C)
6. (B)
7. (C)
8. (C)
9. (A)

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक प्रत्येक):

11. लेखक जब पत्रों को कुएँ की जगत पर रखकर हाथ धोने गया, तो एक तेज़ हवा का झोंका आया जिससे सभी पत्र कुएँ में गिर गए। लेखक ने जब पीछे मुड़कर देखा तो पत्रों को पानी में तैरते पाया।
12. डर के बावजूद लेखक कुएँ में इसलिए उतरा क्योंकि वह जानता था कि पत्रों का गिरना उसकी बड़ी भूल थी और यदि वह उन्हें नहीं निकालेगा तो सच्चाई छिप जाएगी। अपनी जिम्मेदारी समझते हुए उसने डर को दरकिनार कर साहस दिखाया।
13. लेखक ने साँप से निपटने के लिए यह योजना बनाई थी कि यदि साँप सामने आ जाए तो वह पानी में कूद जाएगा और यदि ज़रूरत पड़ी तो ज़ोर से चिल्लाकर लोगों को बुला लेगा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक):

14. 'स्मृति' पाठ में बाल मनोविज्ञान अत्यंत स्वाभाविक रूप में प्रकट हुआ है। लेखक की सोच, भावनाएँ और निर्णय एक सामान्य बालक के मन की झलक देते हैं। पत्र गिरने पर पहले वह डरता है, फिर उन्हें पाने का प्रयास करता है। जब उपाय असफल होते हैं तो वह साहस जुटाकर कुएँ में उतरता है। कुएँ में साँप होने की कल्पना उसे भयभीत करती है, परंतु वह पहले से योजनाएँ भी बनाता है। यह दिखाता है कि बच्चे डरते हैं, पर सही-गलत की समझ और जिम्मेदारी उन्हें साहसी भी बनाती है।

निबंधात्मक प्रश्न (5 अंक):

15. **डर पर विजय ही सच्ची बहादुरी है**

डर मनुष्य की स्वाभाविक भावना है, परंतु उस पर नियंत्रण पाना ही सच्ची बहादुरी कहलाती है। जो व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में डर से भागता नहीं, बल्कि साहसपूर्वक उसका सामना करता है, वही सच्चा बहादुर होता है। बचपन से ही हमें सिखाया जाता है कि डर से नहीं डरना चाहिए, चाहे परिस्थिति कितनी भी कठिन क्यों न हो। इतिहास में अनेक उदाहरण हैं जहाँ वीरों ने अपने प्राणों की परवाह किए बिना दूसरों के लिए साहस दिखाया। डर पर जीत पाने से आत्मविश्वास बढ़ता है और जीवन में सफलता मिलती है। इसलिए कहा गया है – "डर के आगे जीत है।"